सुरक्षित प्रसव के प्रबंधों पर हुई चरचा

फोर्टिस में मेडिकल एजूकेशन प्रोग्राम में कंई राज्यों के प्रतिनिधि हुए शामिल

आयोजित मेडिकल एजुकेशन प्रोग्राम में शामिल लोग। फोटो : अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

मोहाली। चीमा मेडिकल कॉम्प्लेक्स ने रविवार को फोर्टिस अस्पताल के सभागार में मेडिकल एजुकेशन प्रोग्राम का आयोजन किया। इसमें यमुनानगर, पटियाला, सोलन, दिल्ली, लुधियाना आदि स्थानों से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य इसमें शामिल होने वाले डेलीगेट्स को पेरीनेटोलॉजी और न्यूनेटोलॉजी के बारे में नवीनतम जानकारी उपलब्ध करवाना था।

खास बातें

- डेलीगेट्स को पेरीनेटोलॉजी व न्यूनेटोलॉजी की जानकारी दी
- चीमा मेडिकल कॉम्प्लेक्स ने आयोजित किया कार्यक्रम

चीमा मेडिकल कॉम्प्लेक्स के डॉ. जीएस चीमा ने स्वागत भाषण में मोहाली को अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं देने वाला केंद्र बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि इस तरह से शहर के आसपास के गांवों के लोगों को भी फायदा होगा। समारोह के दौरान डिपार्टमेंट ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिस्ट पीजीआई चंडीगढ़ की पूर्व प्रमुख प्रो. सरला मल्होत्रा ने बहुत ज्यादा रिस्क वाले गर्भधारण के प्रबंधों के बारे में चरचा की। उन्होंने डेलीगेट्स से अपील की कि वे ऐसे केसों की पूरी स्क्रीनिंग करें और जरूरत महसूस होने पर नवीनतम टेक्नोलॉजी वाले लैस स्वास्थ्य केंद्रों में भेजें, ताकि बच्चों का जन्म बिना किसी खतरे से हो सके। दयानंद मेडिकल कॉलेज लुधियाना के डॉ. अश्वनी सिंगल ने नए जन्मे बच्चे में सांस की तकलीफ होने पर किए जाने वाले प्रबंधों पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि यह बीमारी समय से पहले पैदा होने वाले बच्चों में होने की काफी ज्यादा संभावना रहती है। ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज दिल्ली के सहायक प्रोफेसर डॉ. रमेश अग्रवाल ने नवजात शिशु में तरल पदार्थों और इलेक्ट्रोलाइट्स पर अपने विचार रखे। डीएमसी लुधियाना के डॉ. दिनेश गर्ग ने समय से पहले होने वाले बच्चों की आंखों की रोशनी की समस्या पर अपने विचार रखे। प्राइम डायग्नोस्टिक्स केंद्र की डॉ. लाइवंस कौर ने समय से पहले पैदा होने वाले बच्चों में कैनियल अल्ट्रा सोनोग्राफी की भूमिका के बारे में जानकारी दी। प्रोग्राम के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. बीजेएस विर्दी ने वेंटीलेटर पर पड़े बच्चों के गिरते स्वास्थ्य की देखरेख और जरूरी प्रबंध के बारे में अपने विचार रखे। उन्होंने समय से पहले होने वाले बच्चों और हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के पैदा बच्चों की सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य केंद्रों में एक स्पेशल टीम की जरूरत पर जोर दिया। विर्दी ने आए हुए डेलीगेट्स का धन्यवाद किया और कहा कि समय से पहले पैदा होने वाले बच्चों को तुरंत अच्छे स्वास्थ्य केंद्रों पर रेफर किया जाए, जिससे उन्हें अच्छी स्वास्थ्य सेवा मिल सके।

समारोह को संबोधित करते डा. दिनेश गर्ग।